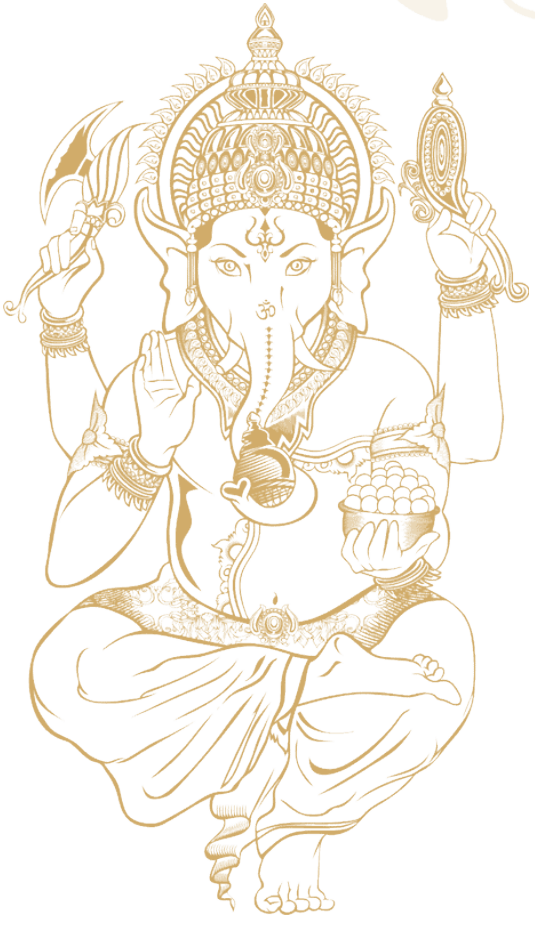

Babiji jairpur hirabaygiji

20 Jan 1965

06:10 PM

Jaipur

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121463704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/01/1965**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**18:10:00 घंटे**
इष्ट	27:13:14 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:43:20 घंटे
वेलान्तर	-00:11:02 घंटे
साम्पातिक काल	01:42:04 घंटे
सूर्योदय	07:16:42 घंटे
सूर्यास्त	17:58:49 घंटे
दिनमान	10:42:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	06:53:51 मकर
लग्न के अंश	10:06:55 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शोभन
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	10:06:55	309:40:43	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मक	06:53:51	01:01:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	18:00:24	14:22:42	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
मंगल			कन्या	04:15:17	00:05:58	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध			धनु	16:14:13	01:22:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			मेष	22:54:58	00:02:05	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			धनु	16:52:49	01:15:02	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
शनि			कुंभ	09:53:21	00:06:32	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृष	29:01:34	00:05:45	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	29:01:34	00:05:45	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		सिंह	21:02:27	00:01:38	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
नेप			तुला	26:22:49	00:01:01	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
प्लूटो	व		सिंह	22:41:07	00:00:59	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			मेष	04:07:12	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:21:53

लग्न-चलित

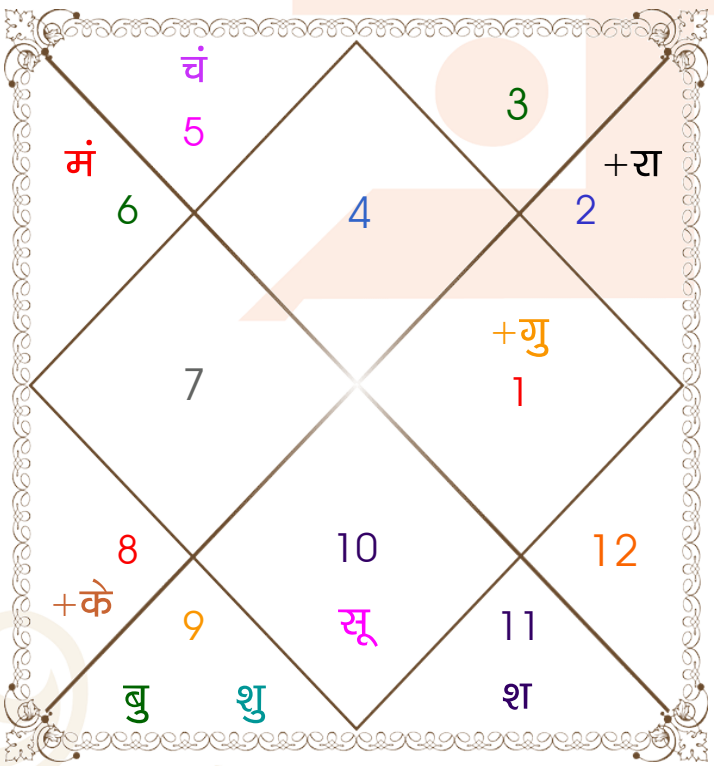

चन्द्र कुंडली

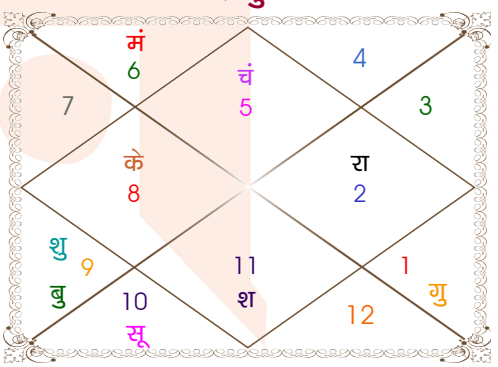

नवमांश कुंडली

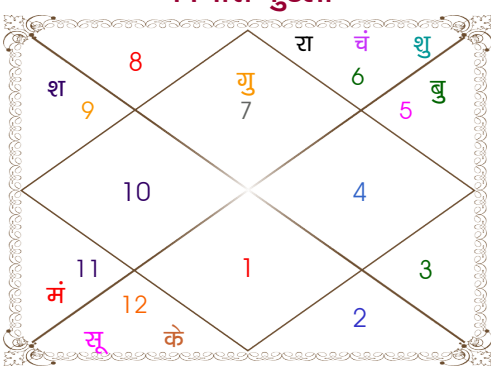

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 11 मास 26 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/01/1965		**17/01/1978**		**17/01/1984**		**17/01/1994**		**17/01/2001**	
17/01/1978		**17/01/1984**		**17/01/1994**		**17/01/2001**		**17/01/2019**	
	00/00/0000	सूर्य	06/05/1978	चंद्र	17/11/1984	मंगल	15/06/1994	राहु	30/09/2003
	00/00/0000	चंद्र	05/11/1978	मंगल	18/06/1985	राहु	04/07/1995	गुरु	22/02/2006
	20/01/1965	मंगल	13/03/1979	राहु	18/12/1986	गुरु	08/06/1996	शनि	29/12/2008
मंगल	18/03/1965	राहु	05/02/1980	गुरु	18/04/1988	शनि	18/07/1997	बुध	19/07/2011
राहु	18/03/1968	गुरु	23/11/1980	शनि	17/11/1989	बुध	15/07/1998	केतु	05/08/2012
गुरु	17/11/1970	शनि	05/11/1981	बुध	18/04/1991	केतु	12/12/1998	शुक्र	06/08/2015
शनि	17/01/1974	बुध	11/09/1982	केतु	17/11/1991	शुक्र	11/02/2000	सूर्य	30/06/2016
बुध	17/11/1976	केतु	17/01/1983	शुक्र	18/07/1993	सूर्य	18/06/2000	चंद्र	30/12/2017
केतु	17/01/1978	शुक्र	17/01/1984	सूर्य	17/01/1994	चंद्र	17/01/2001	मंगल	17/01/2019

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/01/2019		**17/01/2035**		**17/01/2054**		**17/01/2071**		**17/01/2078**	
17/01/2035		**17/01/2054**		**17/01/2071**		**17/01/2078**		**00/00/0000**	
गुरु	06/03/2021	शनि	20/01/2038	बुध	14/06/2056	केतु	15/06/2071	शुक्र	18/05/2081
शनि	18/09/2023	बुध	29/09/2040	केतु	12/06/2057	शुक्र	14/08/2072	सूर्य	19/05/2082
बुध	24/12/2025	केतु	08/11/2041	शुक्र	12/04/2060	सूर्य	20/12/2072	चंद्र	17/01/2084
केतु	29/11/2026	शुक्र	07/01/2045	सूर्य	16/02/2061	चंद्र	21/07/2073	मंगल	20/01/2085
शुक्र	30/07/2029	सूर्य	20/12/2045	चंद्र	18/07/2062	मंगल	17/12/2073		00/00/0000
सूर्य	19/05/2030	चंद्र	22/07/2047	मंगल	16/07/2063	राहु	05/01/2075		00/00/0000
चंद्र	18/09/2031	मंगल	30/08/2048	राहु	01/02/2066	गुरु	12/12/2075		00/00/0000
मंगल	24/08/2032	राहु	07/07/2051	गुरु	09/05/2068	शनि	20/01/2077		00/00/0000
राहु	17/01/2035	गुरु	17/01/2054	शनि	17/01/2071	बुध	17/01/2078		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 13 वर्ष 0 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।